सावन के पहले सोमवार पर श्रद्धालु ने किए महादेव के दर्शन

दुर्गम पहाड़ी अजयपाल किले में विराजे भूतेश्वर महादेव

नवभारत न्यूज

अजयगढ़, 03 अगस्त। जिले भर में सावन माह के पहले सोमवार को शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। शिवभक्तों ने मंदिरों में पहुंचकर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। क्षेत्र के ऐतिहासिक अजयपाल किले पर स्थित रियासतकालीन भूतेश्वर महादेव मंदिर में भी सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

उत्तर दिशा की ओर ऊंची पहाड़ी के नीचे एक बेहद दुर्गम सुरंग में विराजे भोले बाबा के दर्शन करने के लिए भक्त जान जोखिम में डालकर पहुंच रहे हैं। इस बेहद खतरनाक और कठिन रास्ते से होकर गुफा तक पहुंचना हर किसी के बस की बात नहीं है, लेकिन

महादेव के प्रति अटूट आस्था के आगे यह दुर्गम राह भी आसान हो गई।

महेश्वरी माता मंदिर में 6 अगस्त से गूंजेगी शिव महापुराण की कथा - विगत कई वर्षों से सक्रिय भूतेश्वर समिति के तत्वावधान में अब धार्मिक आयोजनों का दायरा भी बढ़ गया है। समिति द्वारा पिछले वर्ष से शिव पुराण कथा का भव्य आयोजन शुरू किया गया है। इस वर्ष समिति द्वारा अजयपाल किले के ऊपर महापुराण न कराकर, नगर के प्रसिद्ध महेश्वरी माता मंदिर में शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन आगामी 6 अगस्त से प्रारंभ होकर 16 अगस्त तक चलेगा। इसके बाद 17 अगस्त को भूतेश्वर समिति द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगे।

गुफा में गूंजने लगे जयकारे

कुछ साल पहले तक इस बेहद कठिन रास्ते के कारण यहां गिने-चुने लोग ही पहुंच पाते थे, लेकिन नगर के कई नवयुवकों ने मिलकर इस स्थान की तस्वीर बदल दी। इन युवाओं ने न सिर्फयहां नियमित रूप से पूजा-अर्चना शुरू की, बल्कि भंडारे का आयोजन भी प्रारंभ किया। देखते ही देखते युवाओं की यह टोली अब करीब एक सैकड़ा के पार पहुंच चुकी है। सावन के पवित्र महीने में इस टोली के करीब 50 से अधिक युवा प्रतिदिन और अन्य दिनों में भी समय-समय पर भूतेश्वर स्थान पहुंचकर भोलेनाथ की आराधना में लीन रहते हैं।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक

पन्ना, 03 अगस्त। जिले में आगामी 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लासपूर्वक एवं गरिमामय ढंग से मनाया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर ऊषा परमार की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस की तैयारी बैठक में अधिकारियों को मुख्य समारोह के लिए आवश्यक दायित्व सौंपे गए।

बताया गया कि शासकीय कार्यालयों में ध्वज संहिता का पालन कर सुबह 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। जिला मुख्यालय पर आयोजित मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली जाएगी।

गुनौर बीईओ कार्यालय से सर्विस बुक गायब

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। पन्ना जिले के गुनौर विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एक बड़ी प्रशासनिक लापरवाही का मामला प्रकाश में आया है। कार्यालय से दो शासकीय कर्मचारियों की मूल सेवा पुस्तिकाएं (सर्विस बुक) बीते 15 दिनों से रहस्यमयी ढंग से गायब हैं। इस घटना के बाद से पूरे शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।

गायब हुई सेवा पुस्तिकाओं में से एक कर्मचारी अशोक कुमार मिश्रा आगामी छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। दूसरे कर्मचारी का नाम ब्रज बिहारी प्रजापति बताया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने तत्काल जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामले में सख्त रुख अपनाते हुए डीईओ के निर्देश पर पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। वर्तमान में पुलिस और शिक्षा विभाग दोनों ही अपने-अपने स्तर पर इस संवेदनशील मामले की सघन जांच में जुट गए हैं। इस संबंध में प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी गुनौर आर. के. प्रजापति ने बताया कि उन्होंने उच्चाधिकारियों को पूरे घटनाक्रम से समय पर अवगत करा दिया था। उल्लेखनीय है कि सेवा पुस्तिका किसी भी शासकीय सेवक का सबसे महत्वपूर्ण सेवा अभिलेख होती है, जिसमें उसकी नियुक्ति, वेतनमान, पदोन्नति, अवकाश और पूरी सेवा का लेखा-जोखा दर्ज रहता है। ऐसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण दस्तावेजों के कार्यालय से गायब हो जाने के बाद अब सेक्शन प्रभारी कार्यालय की कार्यप्रणाली और रिकॉर्ड रूम की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम पर पन्ना की जिला शिक्षा अधिकारी आकांक्षा रावत ने कहा कि दस्तावेजों का गायब होना एक बेहद गंभीर मामला है। फिलहाल यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि यह घटना लापरवाही का नतीजा है या किसी सोची-समझी साजिश का हिस्सा। जांच रिपोर्ट सामने आते ही जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। बहरहाल, इस बड़ी लापरवाही के बाद से गुनौर शिक्षा विभाग में हड़कंप और तनाव की स्थिति बनी हुई है।

खून की कमी से तोड़ा मां और अजन्मे बच्चे ने दम

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। पन्ना जिले के कुलुआ बराछ इलाके से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां उचित समय पर सही इलाज न मिलने के कारण एक 22 वर्षीय गर्भवती महिला और उसके पेट में पल रहे मासूम बच्चे की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

इस दुखद हादसे के बाद से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक महिला की पहचान शांति आदिवासी के रूप में हुई है, जो 9 महीने की गर्भवती थी और उसकी डिलीवरी 27 अगस्त को होनी तय थी। लेकिन 1 अगस्त की देर शाम, अचानक शरीर में खून की भारी कमी यानी गंभीर एनीमिया होने के कारण उसकी तबीयत बेहद नाजुक हो गई। आनन-फानन में उसे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद महिला और उसके गर्भस्थ शिशु दोनों को नहीं बचाया जा सका। परिवार वालों ने बताया कि शांति आदिवासी के साथ यह दूसरा बड़ा हादसा है क्योंकि इससे पहले 2023 में अपनी पहली डिलीवरी के वक्त भी उसने एक मृत शिशु को जन्म दिया था। उस घटना के बाद से ही उसका स्वास्थ्य लगातार गिरता जा रहा था और वह शारीरिक रूप से काफी कमजोर हो चुकी थी। वहीं इस पर क्षेत्र की आशा कार्यकर्ताओं ने बताया कि शांति के पति हल्के आदिवासी पेशे से मजदूर हैं और अत्यधिक आर्थिक तंगी के कारण वे अपनी पत्नी की सेहत और खान-पान का ठीक से ध्यान नहीं रख पा रहे थे। गर्भावस्था के दौरान शांति को न तो समय पर जरूरी दवाइयां मिल सकीं और न ही नियमित रूप से उसकी कोई डॉक्टरी जांच हो पाई। उचित देखरेख, जागरूकता और पौष्टिक आहार की भारी कमी के चलते वह गंभीर एनीमिया की शिकार हो गई, जो अंततः उसकी और उसके बच्चे की मौत की वजह बनी। इस दर्दनाक हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रविवार को शव को अपने कब्जे में लिया और पंचनामा तैयार करने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

विधायक ने 43 लाख की सीसी रोड व नाली का किया लोकार्पण

नवभारत न्यूज

सलेहा, 03 अगस्त। गुनौर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने ग्राम पंचायत मानिकपुर में 20 लाख और ग्राम पंचायत नयागांव (ग्राम कटरा) में 23 लाख की लागत से नवनिर्मित सीसी रोड व नाली का लोकार्पण किया।

इस निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी और बारिश के कीचड़ से मुक्ति मिलेगी। समारोह के दौरान कन्या पूजन व वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। जनसमूह को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि विधानसभा में 100 सड़कें स्वीकृत हैं और प्रत्येक पंचायत में 1 करोड़ के विकास

कार्य हो रहे हैं। विधायक ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मानिकपुर सरपंच बृजेश तिवारी, नयागांव सरपंच प्रतिनिधि मयंक पांडे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

ओवरलोडिंग व भारी वाहनों पर जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किया प्रतिबंधात्मक आदेश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार द्वारा मड़ला घाटी क्षेत्र में वाहनों को लापरवाहीपूर्वक खड़ा कर देने एवं अन्य कारणों से लंबे जाम की स्थिति निर्मित होने की समस्या के निराकरण के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किया है।

पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर जारी आदेश आगामी दो माह के लिए प्रभावशील रहेगा। आदेश में उल्लेखित शर्तों के उल्लंघन पर संबंधित वाहन स्वामी, ट्रांसपोर्टर एवं वाहन चालक के विरूद्ध बीएनएसएस की धारा 223 के तहत कार्यवाही की जाएगी। 3 अगस्त से प्रभावशील आदेश में उल्लेखित है कि कानून व्यवस्था के दृष्टिगत अब मड़ला घाटी क्षेत्र में कोई भी भारी वाहन अन्य भारी वाहनों को ओवरटेक नहीं करेंगे। घाटी क्षेत्र में ओवरलोडिंग भारी वाहन पर पूर्णतः प्रतिबंध के साथ ही वाहन स्वामी एवं वाहन चालक द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन भी नहीं किया जाएगा। वाहन

चालक को पर्याप्त ईंधन एवं आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे व्हील, जैक, टूल किट आदि साथ रखना अनिवार्य होगा। घाटी क्षेत्र में वाहन खराब होने अथवा दुर्घटना की स्थिति में संबंधित वाहन स्वामी एवं चालक द्वारा तत्काल पुलिस-प्रशासन को सूचना दी जाएगी। साथ ही क्रेन एवं मैकेनिक की भी तत्काल व्यवस्था करना अनिवार्य रहेगा। पुलिस अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया था कि प्रायः जाम के कारण आमजन को गंभीर असुविधा होती है तथा एम्बुलेंस, अग्निशमन और अन्य आवश्यक

सड़क मरम्मत के निर्देश

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा गत 29 जुलाई को कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग सागर को पत्र के माध्यम से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-39, बमीठा-सतना मार्ग के वन क्षेत्र मड़ला घाटी में सड़क एवं शोल्डर मरम्मत कार्य के निर्देश भी जारी किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा मड़ला घाटी क्षेत्र में भारी और अन्य वाहनों की आवाजाही के दौरान कई बार विभिन्न स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से लंबे जाम लगने की स्थित निर्मित होने के बारे में अवगत कराया गया था।

लंबित शिकायतों का समय सीमा में करें निराकरण

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। कलेक्टर ऊषा परमार ने कहा है कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतें किसी भी स्थिति में लंबित न रहें। समय सीमा में इनका प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो।

आगामी 7 अगस्त से आरंभ होने वाले मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान को सफल बनाने के दृष्टिगत संबंधित विभाग द्वारा समय पूर्व आवश्यक तैयारी की जाए। अभियान अंतर्गत आयोजित शिविरों में हितग्राहियों को विभिन्न सेवाओं का तत्परता के साथ सुगमतापूर्वक लाभ मिले। जिला कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में उक्ताशय के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्थानीय एवं शासन स्तर पर लंबित विभागवार शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की। साथ ही जनविश्वास अभियान के तहत शिकायतों के निराकरण सहित जनसंवाद एवं उद्योग संवाद कार्यक्रम व शिविर आयोजन सहित समस्याओं के शत प्रतिशत त्वरित समाधान के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस संबंध में अवगत कराया गया कि अभियान अवधि में अधिकतम शिकायतों के निराकरण के साथ ही जनसुनवाई की शिकायतें भी निराकृत की जाएंगी। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत अधिसूचित नागरिक सेवाओं का लाभ भी मिलेगा। लोक सेवा गारंटी अधिनियम की विभिन्न सेवाओं के तहत जिला कलेक्टर द्वारा स्कूल शिक्षा एवं महिला बाल विकास विभाग के पदाभिहित अधिकारियों द्वारा नागरिक सेवाओं के प्रदाय में देरी व लापरवाही पर नाराजगी जताई गई। उन्होंने संबंधितों के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने

बृहस्पति कुंड में पैर फिसलने से युवक खाई में गिरा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। पन्ना के प्रसिद्ध मानसूनी पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जहां दोस्तों के साथ घूमने आया एक युवक सेल्फी लेते वक्त अपना संतुलन खो बैठा और सीधे सैकड़ों फीट गहरे जलकुंड में जा गिरा।

हादसे का शिकार हुआ युवक सुखेंद्र उर्फ छोटू निवासी राजगढ़, थाना बृजपुर अपने पांच साथियों के साथ रविवार को कुंड देखने पहुंचा था। मोबाइल से फोटो खिंचवाते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह देखते ही देखते गहरी खाई में समा गया। घबराए दोस्तों ने तुरंत शोर मचाकर आसपास के लोगों को जुटाया और पुलिस को घटना की जानकारी दी।

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफकी बचाव टीम मौके पर पहुंची तथा कुंड के पानी में उतरकर युवक की खोजबीन शुरू कर दी। हालांकि, तेज पानी के बहाव, अत्यधिक गहराई और देर शाम तक चले सर्च ऑपरेशन के बावजूद लापता युवक का कोई सुराग नहीं लग सका। प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार आज युवक का शव 24 घंटो के बाद एसडीआरएफकी टीम ने युवक के शव को बाहर निकाला। दरअसल, हाल ही में ग्लास ब्रिज का उद्घाटन होने के बाद बृहस्पति कुंड में पर्यटकों का हुजूम उमड़ रहा है। बड़ी संख्या में लोग अपनी सुरक्षा को ताक पर रखकर रील और सेल्फी बनाने के लिए खतरनाक जगहों तक पहुंच रहे हैं। कलेक्टर द्वारा कई तरह के प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए जाने के बावजूद प्रशासन के सुरक्षा इंतजाम नदारद दिख रहे हैं, जिसकी वजह से सैलानी बेखौफ होकर खतरनाक स्थानों पर फोटो-वीडियो बना रहे हैं और अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं।

सावन के पहले सोमवार पर चौमुखनाथ और सिद्धनाथ मंदिरों में लगा श्रद्धालुओं का तांता

नवभारत न्यूज

सलेहा, 03 अगस्त। सावन मास के प्रथम सोमवार को बुंदेलखंड के ऐतिहासिक और धार्मिक गौरव, पन्ना जिले के सलेहा समीपस्थ ग्राम पंचायत नचने के प्राचीन शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

इस पावन अवसर पर आदिकाल से आस्था का केंद्र रहे अद्भुत चौमुखनाथ मंदिर और श्रीराम पथ गमन तीर्थ क्षेत्र अगस्त मुनि आश्रम स्थित सिद्धनाथ मंदिर में सुबह से ही भक्तों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। पूरे बुंदेलखंड सहित सतना, पन्ना और दमोह जैसे सुदूर अंचलों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ

का जलाभिषेक कर अपनी सुख-समृद्धि की कामना की। इन दिव्य मंदिरों के प्रति क्षेत्र में अटूट जन-आस्था है, जहाँ पहुँचकर हर भक्त खुद को धन्य महसूस करता है। ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध ये मंदिर अपनी प्राचीनता में विश्व प्रसिद्ध खजुराहो के मंदिरों से भी कहीं आगे हैं। गुप्त साम्राज्य के गौरवशाली युग की याद दिलाता करीब 1500 वर्ष से भी अधिक पुराना चौमुखनाथ मंदिर उत्तर भारतीय वास्तुकला की बेजोड़ मिसाल है। यहाँ एक ही जीवित पत्थर पर तराशी गई चतुर्मुख शिव प्रतिमा अपने आप में कई रहस्यों को समेटे हुए है। इस विलक्षण शिवलिंग में भगवान शिव के चार अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं, जिसमें बायाँ चेहरा विषपान को, दायाँ चेहरा शांत समाधि को, सामने का चेहरा दूल्हा स्वरूप को और चौथा चेहरा उनके अर्धनारीश्वर रूप को प्रकट करता है। कला और संस्कृति का यह अकल्पनीय संगम हर देखने वाले को मंत्रमुग्ध कर देता है। वहीं दूसरी ओर, धार्मिक ग्रंथों में वर्णित और महर्षि अगस्त मुनि के आशीर्वाद से पूरित सिद्धनाथ शिवालय का महत्व भी अद्वितीय है। मान्यता है कि त्रेतायुग में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने अपने वनवास काल के दौरान यहाँ आकर महर्षि अगस्त से भेंट की थी और स्वयं इस शिवलिंग की पूजा-अर्चना व प्राण-प्रतिष्ठा की थी।

जुआ फड़ पर दबिश देकर पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

35 हजार रूपये का मशरूका जब्त

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। पन्ना जिले के धरमपुर थाना क्षेत्र में एक जुए के फड़ पर दबिश देकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर 35 हजार रूपये का मशरूका जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में धरमपुर पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर ग्राम की एक बगिया में दबिश दी।

इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे पांच आरोपियों को चारों तरफ से घेराबंदी कर रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। मौके पर की गई तलाशी में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और जुए के फड़ से 6,370 नगद, 4 एंड्रॉयड मोबाइल, 1 कीपैड मोबाइल, ताश के पत्ते और एक प्लास्टिक की बोरी बरामद की है, जिसकी कुल अनुमानित कीमत करीब 35 हजार रुपये आंकी गई है। पकड़े गए आरोपियों में बाबूलाल अहिरवार, अफजल खान, बालमुकुन्द माली सभी निवासी धरमपुर क्षेत्र और मुन्ना पटेल व कुबेर पटेल निवासी बांदा, उत्तर प्रदेश शामिल हैं।

थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अनिल सिंह राजपूत के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने सभी आरोपियों के खिलाफ मध्य प्रदेश जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुख्य सड़कों में गुणवत्ता का अभाव, बनते ही शुरू हो जाती है मरम्मत

नवभारत न्यूज

पन्ना, 03 अगस्त। सड़कों के निर्माण में करोड़ों अरबों का बजट खर्च होता है। नई-नई तकनीकों का उपयोग कर बेहतर सड़कों का निर्माण करने के प्रावधान किये जाते हैं। समय पर कार्य पूरा हो और मानकों के अनुसार सड़कों बनाई जायं। विभागीय अधिकारी इंजीनियर सड़कों का निरीक्षण करते हैं। ठेकेदारों को करोड़ों का भुगतान होता रहता है।

यहां तक कि जो भुगतान नहीं होना चाहिये, जो रेट नहीं लगाये जाने चाहिये उनका भी उपयोग होता है और भुगतान हो जाता है। अंत में जब कार्य पूर्ण हो जाता है और लोकार्पण हो जाता है तो पता चलता है कि सड़क का निर्माण गुणवत्ता के अनुसार नहीं किया गया। अभी तक जितनी भी सड़कें बनाई गई हैं उनमें कोई भी सड़क नहीं है जो मानकों के अनुसार हो, जो गुणवत्ता के अनुसार बनाई गई

हो। चाहे वह सड़क एनएचएआई की हो, लोक निर्माण विभाग की हो, नेशनल हाईवे की हो अथवा अन्य किसी भी विभाग की हो।

ठेकेदारों में अनुभव की कमी अथवा विभागीय लापरवाही - घटिया सड़कों के निर्माण के लिये दोषी अपात्र ठेकेदारों को माना जाना चाहिये अथवा विभाग के अधिकारियों को अथवा दोनों को अथवा सिस्टम को? यह सवाल इसलिये खड़े होते हैं क्योंकि कोई न कोई तो इस तरह की लापरवाही के लिये जिम्मेदार होना चाहिये। देखा जाता है कि घटिया निर्माण के मामले में न तो विभाग कार्रवाई कर पाता और न ही निर्माण एजेंसियां स्वयं गुणवत्ता पर ध्यान ही देती हैं। इसलिये घटिया निर्माण होता चला जाता है। खासतौर पर उन सड़कों का निर्माण गुणवत्ता के साथ होना आवश्यक है जो प्रमुख सड़कें हैं। जिन्हें नेशनल हाईवे या स्टेट हाईवे कहा जाता है। जिनके ऊपर यातायात का दबाव अधिक होता है। जहां से हजारों वाहन नियमित रूप से गुजरते हैं।

घटिया डामर, घटिया सामग्री एवं तकनीक की उपेक्षा - वास्तव में सड़कों का विकास किसी भी देश व प्रदेश की व्यापारिक स्थिति के लिये बड़ा माध्यम होता है। लिहाजा मुख्य सड़कों का निर्माण विशेष निगरानी के साथ होना चाहिये। भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, कई वर्षों तक सुरक्षित रहने की क्षमता के साथ होना चाहिये। कागजों में इसका उल्लेख तो किया जाता है। किन्तु जब वही मामला कार्य के रूप में सामने आता है तो पता चलता है कि कई तरह की लापरवाही की गई है।

निर्माण के साथ ही मरम्मत

यह भी देखा जा सकता है कि एक तरफसड़कों का निर्माण कार्य पूरा नहीं होता और दूसरी तरफमरम्मत कार्य शुरू हो जाते हैं। ये मरम्मत कार्य कभी बंद ही नहीं होते। इसका मतलब है कि सड़कों का निर्माण गुणवत्ता के साथ नहीं किया जाता। कई प्रमुख सड़कों की सतह को देखा जा सकता है कि कई किलोमीटर तक लम्बी-लम्बी दरारें बन जाती हैं। जिसे पूरी तरह से न तो भरा जा सकता, न तो सुधारा जा सकता। केवल कुछ सीमा तक ही मरम्मत की जा सकती है। वह भी यह दिखाने के लिये एजेंसी शर्तों के अनुसार मरम्मत कार्य कर रही है।

सड़कों का सरफेस भी समतल नहीं बनता

सड़कों की ऊपरी सतह जिस तरह से समतल एवं सपाट होनी चाहिये वह भी नहीं बनाई जाती। कई सड़कों की ऊपरी सतह कई जगह लहरदार बना दी जाती है। यही कारण है कि ऐसी सड़कों में जो भी वाहन चलते हैं वे भी जंप करते हुये चलते हैं। उन सड़कों पर वाहनों के चलने से ही ही पता चल जाता है कि सड़क की सतह बराबर नहीं बनी है। यह सब तकनीकी खामियों एवं लापरवाही के चलते होता है। जब मानीटरिंग नही होती और सही तरीके से निरीक्षण नही होता तो आधुनिक मशीनों का उपयोग होने के बाद भी सड़कों का गुणवत्ता के साथ निर्माण नहीं किया जाता।